686

SA-04

June - Examination 2017

B.A. Pt. II Examination

Gadhya Samas-Prakaran Tatha Nibandh

गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध

Paper - SA-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections. A, B and C. Write answer as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. Answer of each question should be given in one word, one sentence and maximum upto 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न) (अनिवार्य)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) शिवराजविजय संस्कृत गद्य की कौनसी विधा है?

(ii) ''बटुरसौ जटाभिर्ब्रह्मचारी'' रेखांकित पद में तृतीया विभक्ति किस सूत्र से हुई है?

(iii) बाण गद्य में किस रीति के प्रवर्तक हैं?

(iv) बाण की किन्हीं तीन कृतियों के नाम लिखिए?

(v) राजा तारापीड के महामन्त्री का क्या नाम था?

(vi) लक्ष्मी ने निष्ठुरता किससे ग्रहण की है?

(vii) समास किसे कहते हैं?

(viii) साकल्य अर्थ में अव्ययीभाव समास का उदाहरण दीजिए?

(ix) त्रिलोकी पद का समास विग्रह करते हुए समास का नाम बताइये?

(x) शेषो बहुव्रीहिः सूत्र को स्पष्ट कीजिए?

Section - B $4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिये?

(i) अलं भो अलम्! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं रात्राव–जागरीरिति क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे। यां च सप्तवर्षकल्पां, यावनत्रासेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्,

कलितमानवदेहामिव सरस्वतीं सान्त्वयन्, मरन्दमधुरा अपः पाययन्, कन्दखण्डानि भोजयन्, त्वं त्रियामाया यामत्रयमनैषीः, सेयमधुना स्वपित, उद्बुद्ध्य च पुनस्तथैव रोदिष्यति, तत्परिमार्गणीयान्येतस्याः पितरौ गृहं च–इति संश्रुत्य उष्णं निःश्वस्य यावत् सोऽपि किञ्चिद्वक्तुमियेष तावदकस्मात् पर्वतशिखरे निपपात उभयोर्दृष्टिः।

(ii) एवं विधयापि चानया दुराचारया कथमपि देववशेन परिगृहीता विक्लवा भवन्ति राजानः सर्वाविनयाधिष्ठानतां च गच्छन्ति। तथाहि– अभिषेकसमय एव चैतषां मग्लकलशजलैरिव प्रक्षाल्यते दाक्षिण्यम् अग्निकार्यधूमेनेव मलिनी क्रियते हृदयम् पुरोहितकुशाग्रसंमार्जिनीभि रिवापह्रियते क्षान्तिः उष्णीषपट्टबन्धेनेवाच्छाद्यते जरागमनसारणम्, आतपत्रमण्डलेनेवापसार्यते परलोकदर्शनम् चामरपवनैरिवापह्रियते सः सत्यवदिता वेत्रदण्डैरिवोत्सार्यन्ते गुणाः जयशब्दकलकलरवेरिव तिरस्क्रियन्ते साधुवादाः, ध्वजपटपल्लवैरिव परामृश्यते यशः।

3) शुकनासोपदेश के आधार पर गुरुपदेश की महिमा का वर्णन कीजिए?

4) शिवराजविजयम् के आधार पर भास्कर वर्णन को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए?

5) निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये–

(i) चार्थे द्वन्द्वः।

(ii) उपमानानि सामान्यैकवचनैः।

6) निम्नलिखित में से किसी एक प्रयोग की सूत्रनिर्देश पूर्वक रूप सिद्धि कीजिये–

(i) पितरौ

(ii) नीलोत्पलम्

7) निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिये–

(i) स नपुंसकम्।

(ii) तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च।

8) निम्नलिखित में से किन्ही दो पदों का समास विग्रह कर समास का नाम उल्लेखित करें–

अब्राह्मणः, कुम्भकारः, युक्तयोगः, कण्ठेकालः।

9) 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति' इस सूक्ति की व्याख्या शुकनासोपदेश के सन्दर्भ में कीजिए।

Section - C $2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum upto 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। आपको अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) शिवराजविजयम् की गद्य शैली का वर्णन कीजिये?

11) शिवराजविजयम् के आधार पर वीर शिवाजी का चरित्र चित्रण कीजिए?

12) शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी के दोषों का वर्णन कीजिये?

13) निम्न में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए–

(i) गीतायाः महत्त्वम्।

(ii) भारतीय संस्कृतेः वैशिष्ट्यम्

(ii) आधुनिकयुगे संस्कृतशिक्षायाः स्थितिः।